राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 135

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, बुधवार, 23 अक्टूबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

'भारत की लक्ष्मी' अभियान की ध्वजवाहक होंगी दीपिका और सिंधू

>> 3

सरोकार

फरमानों से बेखौफ महिलाएं गढ़ रहीं नया कश्मीर

जम्मू : कश्मीर बदल रहा है। विकास की राह में बाधक बने कट्टरपंथ को खुद कश्मीरी महिलाएं तोड़ रही हैं। 24 को राज्य में बीडीसी के चुनाव हैं। महिलाएं अलगाववाद और आतंकवाद के फरमानों को दरकिनार कर चुनाव में हिस्सा लेकर बदलाव को धार दे रही हैं। (पेज-10)

जागरण विशेष

इस बार 'लक्ष्मी-गणेश' का पांच ग्राम वाला सिक्का भी

आगरा : धनतेरस और दिवाली का बाजार सजने लगा है। पूजा में रखे जाने वाले लक्ष्मी-गणेश के चांदी के सिक्कों की बात करें तो खास यह कि इस बार 10, 20 और 50 ग्राम के अलावा पांच ग्राम वजन के सिक्के भी उपलब्ध होंगे। (पेज-11)

सोशल मीडिया को आधार से जोड़ने के सभी मामले सुनेगा सुप्रीम कोर्ट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया को आधार से लिंक करने संबंधी विभिन्न हाई कोर्टों में चल रहे सभी मामलों को अपने यहां ट्रांसफर कर लिया है। शीर्ष अदालत इस बात पर विचार करेगी कि क्या सरकार फेसबुक और वाट्सएप जैसी इंटरमीडियरीज को नागरिकों के सोशल मीडिया अकाउंट्स की जानकारी देने के लिए मजबूर कर सकती है। साथ ही कोर्ट ने केंद्र से सोशल मीडिया के दुरुपयोग को रोकने के लिए नियमों की अधिसूचना जारी करने संबंधी रिपोर्ट जनवरी में दाखिल करने को कहा है। इनमें संदेशों को पढ़े जाने की जिम्मेदारी इंटरमीडियरीज पर डालने संबंधी नियम भी शामिल किए जाने हैं।

सोशल मीडिया अकाउंट्स को आधार से जोड़ने और संदेशों के स्रोत का पता लगाने संबंधी कई मामले देशभर में विभिन्न हाई कोर्टों में लंबित हैं। जस्टिस दीपक गुप्ता और अनिरुद्ध बोस की पीठ ने फेसबुक की याचिका स्वीकार करते हुए रजिस्ट्री को आदेश दिया कि वह सभी मामलों को प्रधान न्यायाधीश के समक्ष पेश करे ताकि उन्हें जनवरी, 2020 के अंतिम सप्ताह में उचित पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जा सके।

तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने कहा, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69 संदेशों या किसी सामग्री के डिक्रिप्शन की अनुमति देती है। इसलिए फेसबुक व वाट्सएप का यह कहना कि इन्हें डिक्रिप्ट नहीं किया जा सकता, स्वीकार्य नहीं है। जब कंपनियों के पास अपने प्रोडक्ट का दुरुपयोग रोकने का इंतजाम ही नहीं है तो वे किसी देश में कैसे जा सकती हैं? इस पर अदालत ने कहा कि अमेरिका में इसके लिए ये बाहरी एजेंसी की मदद लेती हैं। यहां सवाल यह है कि क्या हम उन पर दबाव बना सकते हैं? पीठ ने कहा, पहली नजर में संदेशों को डिक्रिप्ट करने या डिक्रिप्शन के लिए सरकार को सामग्री मुहैया कराने की जिम्मेदारी इंटरमीडियरीज की है। वेणुगोपाल ने कहा, वे उनसे संदेशों को डिक्रिप्ट करने के लिए नहीं कह रहे हैं, लेकिन हम सब चाहते हैं कि वे डिक्रिप्शन में सहायता करें।

केंद्र सरकार की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, यह मामला निजता में दखल का नहीं है बल्कि इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हितों और संप्रभुता के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। इस दौरान वेणुगोपाल ने कहा, आतंकी निजता के अधिकार का दावा नहीं कर सकते।

- फेसबुक की याचिका पर सभी हाई कोर्टों से मंगाए मामले
- सीजेआइ के सामने पेश किए जाएंगे सभी प्रकरण
- हेट स्पीच और फेक न्यूज पर अंकुश के लिहाज से अहम है सुनवाई

फेसबुक-वाट्सएप जैसे मंचों के दुरुपयोग के मामले में किसकी क्या है राय

कोर्ट का रुख

- सोशल मीडिया को रेगुलेट करने वाले नियमों को अधिसूचित करने के संबंध में जनवरी 2020 में रिपोर्ट दे केंद्र
- सरकार से निश्चित समय सीमा में नियम बनाने के लिए कहा गया। यह भी कि अगर सरकार ने ऐसा नहीं किया तो कोर्ट खुद निर्देश देगा
- किसी व्यक्ति की तरफ से नियमों की जानकारी मांगे जाने की स्थिति को भी शामिल करने का निर्देश दिया

केंद्र सरकार का पक्ष

- जनवरी 2020 तक तैयार हो जाएंगे नियम, संशोधित मसौदे पर इलेक्ट्रॉनिक व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में मंत्रणा जारी
- हलफनामे में कहा, कुछ वर्षों में सोशल मीडिया के इस्तेमाल में काफी तेजी आई
- सोशल मीडिया में हेट स्पीच, फेक न्यूज व राष्ट्रविरोधी गतिविधियां तेजी से बढ़ी
- इंटरनेट लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित करने के टूल के तौर पर उभरा

कंपनियों का जवाब

- फेक न्यूज, हेट स्पीच और सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने वाले संदेशों के स्रोत की जानकारी देना यूजर्स की निजता का है उल्लंघन
- नियमों के तहत इंटरमीडियरीज डिक्रिप्शन उपलब्ध कराने के लिए बाध्य नहीं
- संदेशों को डिक्रिप्ट करने की तकनीक हमारे पास नहीं, अगर स्रोत बताने पर जोर दिया गया तो कठिनाई आएगी।

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

पी. चिदंबरम को सुप्रीम कोर्ट से मिली सशर्त जमानत

नई दिल्ली : आइएनएक्स मीडिया केस में भ्रष्टाचार के आरोपी पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सशर्त जमानत दे दी। हालांकि चिदंबरम प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मनी लांड्रिंग केस में जेल में होने के कारण बाहर नहीं आ पाएंगे।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

शीर्ष अधिकारियों पर आरोप के बाद इन्फोसिस के शेयर धड़ाम

नई दिल्ली : आइटी कंपनी इन्फोसिस के शीर्ष अफसरों पर अनुचित व्यापार नीति अपनाने के आरोप लगने के बाद मंगलवार को कंपनी के शेयरों में 17 फीसद की गिरावट दर्ज की गई। अप्रैल, 2013 के बाद इन्फोसिस के शेयरों में यह सबसे बड़ी गिरावट है। बीएसई का सेंसेक्स 334.54 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

ह्वाइट हाउस में गुरुवार को दिवाली मनाएंगे ट्रंप

वाशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गुरुवार को ह्वाइट हाउस में दिवाली का जश्न मनाएंगे। वर्ष 2016 में राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से ट्रंप तीसरी बार इस तरह का आयोजन करने जा रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, वह दीया जलाकर जश्न की शुरुआत करेंगे। ह्वाइट हाउस में दिवाली मनाने की शुरुआत पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने 2009 में की थी।

आजकल ▶ पृष्ठ 16

ओजोन छिद्र में इस साल रिकॉर्ड गिरावट : नासा

वाशिंगटन : अंटार्कटिका के ऊपर ओजोन गैस की परत के छिद्र में इस साल रिकॉर्ड गिरावट हुई है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेयरिक एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, 1982 के बाद से पहली बार ओजोन परत का छिद्र इतना सिकुड़ा है। गत आठ सितंबर को इसका आकार 1.64 करोड़ वर्ग किलोमीटर था जो अक्टूबर में घटकर एक करोड़ वर्ग किलोमीटर रह गया।

कमलेश तिवारी हत्याकांड में दोनों मुख्य आरोपित गिरफ्तार

कामयाबी ▶ गुजरात एटीएस ने दोनों को राजस्थान सीमा के पास पकड़ा

अशफाक और मोईनुद्दीन ने हत्या का जुर्म कुबूला, लखनऊ लाए जाएंगे दोनों

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

हिंदूवादी नेता कमलेश तिवारी की हत्या के मामले में जांच एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। गुजरात एटीएस ने अशफाक शेख और मोईनुद्दीन पठान नामक आरोपितों को राजस्थान सीमा पर शमलाजी के पास से गिरफ्तार किया है। दोनों ने हत्या का जुर्म कुबूल कर लिया है। एक दिन पूर्व ही डीजीपी ओपी सिंह ने दोनों पर ढाई-ढाई लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

गुजरात एटीएस के डीआइजी हिमांशु शुक्ल ने बताया कि दोनों को मंगलवार शाम उस वक्त पकड़ा गया, जब वो गुजरात सीमा में प्रवेश करने वाले थे। 34 वर्षीय अशफाक और 27 वर्षीय मोईनुद्दीन गुजरात के सूरत के निवासी हैं। पैसे खत्म होने के बाद दोनों ने परिजनों और दोस्तों से संपर्क किया था, जिसके बाद सर्विलांस के जरिए उनकी गतिविधियों पर नजर थी।

बता दें कि लखनऊ के खुर्शेदबाग में 18 अक्टूबर को दिनदहाड़े कमलेश तिवारी की हत्या कर दी गई थी। वारदात के बाद दोनों हत्यारे लखनऊ, शाहजहांपुर, बरेली, पीलीभीत व अन्य स्थानों पर छिपते रहे। दोनों हत्यारोपी एक दिन पूर्व नेपाल से शाहजहांपुर पहुंचे थे और जहां से वो गुजरात जा रहे थे।

दोनों को ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ लाया जाएगा। मामले की जांच कर रही उत्तर प्रदेश पुलिस की एसआइटी की टीम उन्हें लाने गुजरात जा रही है। डीजीपी ओपी सिंह का कहना है कि घटना के बाद से पुलिस लगातार दोनों पर दबाव बनाए थी, जिसके चलते ही उनकी गिरफ्तारी हो सकी।

इस मामले में इससे पहले चार लोग गिरफ्तार किए गए थे। गुजरात एटीएस ने ही 19 अक्टूबर को इस मामले के साजिशकर्ता राशिद पठान, मौलाना मोहसिन शेख व फैजान को पकड़ा था। वहीं, महाराष्ट्र के नागपुर में भी सैयद असीम अली को गिरफ्तार किया गया था। एसआइटी अली को मंगलवार को लखनऊ लेकर आई। (पेज-5 भी देखें)

शामलाजी में मंगलवार को गुजरात एटीएस की गिरफ्त में हिंदूवादी नेता कमलेश तिवारी हत्याकांड के आरोपित अशफाक शेख और मोइनुद्दीन पठान। एएनआइ

कठुआ कांड में नया मोड़, एसआइटी पर एफआइआर दर्ज करने का निर्देश

जेएनएन, जम्मू

- फर्जी गवाह तैयार करने और गैरकानूनी ढंग से हिरासत में रखने का मामला
- टीम पर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का भी आरोप

पूरे देश को हिला देने वाले जनवरी 2018 के बहुचर्चित कठुआ दुष्कर्म कांड में नया मोड़ आ गया है। सिटी जज जम्मू प्रेम सागर ने मामले की जांच करने वाली राज्य क्राइम ब्रांच की छह सदस्यीय स्पेशल इनवेस्टिगेशन टीम (एसआइटी) के खिलाफ फर्जी गवाह तैयार करने, उन्हें गैरकानूनी ढंग से हिरासत में रखने और मानसिक व शारीरिक तौर पर प्रताड़ित करने के आरोप में एफआइआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने एसएसपी जम्मू को एफआइआर दर्ज करने और सात नवंबर तक अनुपालन रिपोर्ट पेश करने का आदेश भी दिया।

हमें फर्जी बयान देने के लिए मजबूर किया गया : कठुआ मामले में क्राइम ब्रांच की एसआइटी ने सचिन शर्मा, नीरज शर्मा और साहिल शर्मा को भी अपना गवाह बनाया था, लेकिन तीनों ने सिटी जज की कोर्ट में एक आवेदन दायर कर एसआइटी के सदस्य पूर्व एसएसपी क्राइम आरके जाला, एडिशनल सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस क्राइम ब्रांच पीरजादा नावेद, डीएसपी क्राइम ब्रांच शितांबरी शर्मा, नासिर हुसैन, उरफान वानी और केवल किशोर के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआइटी सदस्यों ने उन्हें विशाल जंगोत्रा के खिलाफ फर्जी बयान देने के लिए मजबूर किया। वहीं, उन्हें गैर-कानूनी ढंग से हिरासत में रखा और शारीरिक व मानसिक तौर पर प्रताड़ित भी किया। तीनों आवेदनकर्ताओं ने कहा कि उक्त जांच अधिकारियों ने साजिश के तहत विशाल को फंसाया और उसके खिलाफ फर्जी सुबूत तैयार कर उनसे सीआरपीसी की धारा-164 के तहत जबरन बयान दर्ज कराए।

इनके खिलाफ मामला दर्ज करने के निर्देश

- पूर्व एसएसपी क्राइम आरके जाला 2. एडिशनल सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस क्राइम ब्रांच पीरजादा नावेद
- डीएसपी क्राइम ब्रांच शितांबरी शर्मा
- नासिर हुसैन
- उरफान वानी
- केवल किशोर

पुलिस ने शिकायत पर नहीं की कार्रवाई

आवेदनकर्ताओं के वकील अंकुर शर्मा व तरुण शर्मा ने कोर्ट को बताया कि सचिन, नीरज व साहिल ने 24 सितंबर 2019 को एसएचओ पक्का डंगा को शिकायत देते हुए एसआइटी के सदस्यों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने की मांग की थी। अपनी शिकायत में उन्होंने यह भी कहा था कि कोर्ट ने भी विशाल को बरी कर दिया है। ऐसे में एसआइटी सदस्यों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की जाए। जब एसएचओ ने कार्रवाई नहीं की तो शिकायतकर्ता पांच अक्टूबर को एसएसपी जम्मू के पास भी शिकायत लेकर गए, लेकिन वहां भी उनकी बात नहीं सुनी गई है।

यह था मामला

कठुआ में आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या हुई थी। इस मामले में आठ आरोपित थे। पठानकोट की अदालत ने इनमें से छह को दोषी करार दिया था। एक नाबालिग होने पर उसके खिलाफ जूवेनाइल जस्टिस बोर्ड में मामला चल रहा है, जबकि विशाल को बरी किया जा चुका है।

भारत ने घर में जीती रिकॉर्ड 11वीं सीरीज

रांची : दक्षिण अफ्रीका को रांची टेस्ट में एक पारी व 202 रन से हराकर टीम इंडिया ने न सिर्फ उनका सूपड़ा साफ किया, बल्कि लगातार 11 घरेलू सीरीज जीतने का रिकॉर्ड भी बनाया। मैच के चौथे दिन भारतीय गेंदबाजों को मेहमानों की दूसरी पारी 133 रनों पर समेटने में मात्र नौ मिनट लगे। भारत ने पहली पारी में नौ विकेट पर 497 रन बनाकर पारी घोषित की थी, जबकि द. अफ्रीका पहली पारी में 162 रनों पर आउट हो गई थी। सीरीज में 529 रन बनाने वाले रोहित शर्मा मैन ऑफ द सीरीज और मैन ऑफ द मैच रहे। यह कोहली की कप्तानी में द. अफ्रीका पर सातवीं व टेस्ट इतिहास में इस टीम के खिलाफ सबसे बड़ी जीत है। (पेज-14)

उप्र में 'अराजकता', मंदिरों के प्रबंधन के लिए क्या किया गया : सुप्रीम कोर्ट

- बुलंदशहर के प्राचीन मंदिर से संबंधित मामले पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने नाराजगी जताते हुए की तल्ख टिप्पणी

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से राज्य में मंदिरों और धर्मार्थ संस्थाओं के प्रबंधन के बारे में कई तीखे सवाल पूछे और टिप्पणी की कि राज्य में 'अराजकता' की स्थिति है। राज्य के बुलंदशहर में एक प्राचीन मंदिर के प्रबंधन से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की।

जस्टिस एनवी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ ने सवाल किया, ''क्या आप अपने शासकीय आदेश से कुछ भी कर सकते हैं? यह तो अराजकता है।' पीठ ने सवाल किया कि क्या राज्य में कोई भी व्यक्ति मंदिर का निर्माण करके जनता से धन एकत्र कर सकता है। पीठ ने राज्य सरकार को छह सप्ताह के बीच इस तथ्य से अवगत कराने का निर्देश दिया कि क्या वह मंदिरों और धर्मार्थ संस्थाओं के प्रबंधन से संबंधित मसलों के लिए कोई कानून बनाएगी? शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार से सवाल किया कि उसने प्रदेश में मंदिरों और धर्मार्थ संस्थाओं के प्रबंधन के लिए अभी तक कोई कानून क्यों नहीं बनाया? कोर्ट ने यह भी जानना चाहा कि राज्य ने इस बारे में अभी तक केंद्रीय कानून को क्यों नहीं अंगीकार किया?

पीठ ने पिछले सप्ताह नाराजगी जताते हुए कहा था कि यद्यपि यह मामला 2010 से लंबित है लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य की ओर से पेश वकील यह बताने की स्थिति में ही नहीं थे कि क्या इस बारे में कोई कानून बनाया गया है। पीठ ने 17 अक्टूबर को अपने आदेश में कहा था, 'इस तथ्य के मद्देनजर, हमारे पास उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव/संबंधित सचिव को व्यक्तिगत रूप से 22 अक्टूबर को उपस्थित होने का निर्देश देने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है।' शीर्ष कोर्ट बुलंदशहर में करीब 300 साल पुराने इस मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे को 'पंडों' में वितरित करने का आदेश देने संबंधी इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

चुनाव नतीजों से पहले ही कांग्रेस ने हरियाणा में भंग किया संगठन

चंडीगढ़ : हरियाणा में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने से पहले ही प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष कुमारी सैलजा ने संगठन के पेच कसने शुरू कर दिए हैं। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक तंवर के कार्यकाल में हुई सभी नियुक्तियों को रद करते हुए सभी मोर्चों को भंग कर दिया गया है। 18 बागियों को पार्टी से निकाल दिया गया है। जल्द ही नए सिरे से सदस्यता अभियान चलाया जाएगा, जिसके बाद संगठन में पदाधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। (पेज-4)

भारत धार्मिक में तो पाकिस्तान 'आतंकी' पर्यटन में जुटा

नई दिल्ली : भारत ने मंगलवार को दर्जनों देशों के राजनयिकों को करतारपुर गलियारे का धार्मिक पर्यटन कराया, वहीं पाकिस्तान ने कुछ विदेशी राजनयिकों को आतंकी गढ़ों का पर्यटन कराने की व्यवस्था की। भारत के निमंत्रण पर 90 देशों के राजदूतों ने करतारपुर कॉरिडोर में ढ़ाचागत सुविधाओं का मौका मुआयना किया। वहीं पाक सेना राजनयिकों को गुलाम कश्मीर में भारतीय सैन्य कार्रवाई में आतंकियों के ध्वस्त ठिकानों को दिखाने ले गई। (पेज-5)

जयपुर में बसपा के दो राष्ट्रीय नेताओं का मुंह काला कर गधे पर बैठाया

जागरण संवाददाता, जयपुर

- कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय समन्वयक और प्रदेश प्रभारी से की बदसुलूकी
- टिकट बेचने के आरोप लगा दोनों के खिलाफ की नारेबाजी
- कांग्रेस पर भड़कीं पार्टी सुप्रीमो मायावती, कहा-यह सब वही करा रही

राजस्थान में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के कार्यकर्ता अपने राष्ट्रीय नेतृत्व से किस हद तक नाराज हैं, इसका नजारा मंगलवार को जयपुर में तब देखने को मिला जब उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक और प्रदेश प्रभारी से बदसुलूकी। टिकट बेचने के आरोप लगा रहे पार्टी कार्यकर्ताओं ने मंगलवार सुबह दोनों नेताओं को दफ्तर के बाहर ही न केवल गधे पर बैठाया बल्कि उनका मुंह काला कर जूतों की माला भी पहनाई। इसके साथ ही उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस घटना पर बसपा सुप्रीमो मायावती भड़क गईं। उन्होंने इसके लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया।

राजस्थान के प्रभारी सीताराम मेघवाल के साथ पार्टी पदाधिकारियों एवं जिला अध्यक्षों की बैठक लेने के लिए राष्ट्रीय समन्वयक और उपाध्यक्ष रामजी गौतम लखनऊ से जयपुर पहुंचे थे। संगठन की मजबूती एवं आगामी स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर मंगलवार सुबह चर्चा होनी थी, लेकिन बैठक शुरू होने से पहले ही पार्टी के कुछ कार्यकर्ता हाथों में ग्रीस और दो गधे लेकर बनीपार्क स्थित पार्टी कार्यालय पहुंच गए। वह गौतम और मेघवाल को जबरन पकड़कर दफ्तर के बाहर ले आए। पहले तो दोनों नेताओं के मुंह काले किए और फिर उन्हें जूते-चप्पलों की माला पहना दी। दोनों को जबरन दो अलग-अलग गधों पर बैठा दिया। दोनों नेता जब गधों से उतरने लगे तो कार्यकर्तओं ने उन्हें गोद में उठाकर फिर से बैठा दिया। इस दौरान रामजी गौतम एक बार सड़क पर गिर पड़े। कार्यकर्ताओं के साथ रामजी गौतम और सीताराम मेघवाल की धक्का-मुक्की भी हुई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने रामजी गौतम और पार्टी सुप्रीमो मायावती पर टिकट बेचने के आरोप लगाए।

हंगामे के बीच रामजी गौतम उग्र कार्यकर्ताओं से खुद को गोली मारने की बात कहते हुए भी सुनाई दिए। काफी देर तक यह घटनाक्रम चलता रहा। इस दौरान पार्टी कार्यालय के अंदर से कुछ लोग दोनों नेताओं को बचाने बाहर आए थे, लेकिन उग्र कार्यकर्ताओं ने उन्हें भी खदेड़ दिया। सड़क पर हंगामे की सूचना पर सिंधी कैंप थाने से पुलिसकर्मी बसपा कार्यालय तक पहुंचे, लेकिन तब तक कार्यकर्ता वहां से जा चुके थे।

जयपुर में बसपा नेता रामजी गौतम और सीताराम मेघवाल (दाएं) को गधे पर बैठाते बसपा के आक्रोशित कार्यकर्ता। वीडियो ग्रैब

कांग्रेस गलत परंपरा डाल रही : माया पेज>>3

मुलाकात

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद बोले नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी- भारत के बारे में प्रधानमंत्री के सोचने का तरीका अनूठा, प्रधानमंत्री ने कहा, अभिजीत की उपलब्धियों पर भारत को गर्व

पीएम ने चेताया था, मीडिया 'मोदी विरोधी' बयान के लिए उकसाएगा

नई दिल्ली, एजेंसियां : अर्थशास्त्र के लिए इस साल के नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह भेंट ऐसे समय में हुई है जब बनर्जी को वाम विचारधारा से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद अभिजीत मीडिया से रूबरू हुए तो पत्रकारों ने उन पर सवालों की बौछार कर दी। जाहिर है ज्यादातर सवाल सरकार की आर्थिक नीतियों पर उनके विचार को लेकर ही थे, क्योंकि नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद कांग्रेस की न्याय योजना को लेकर उनकी खूब चर्चा हुई थी। बनर्जी ने हंसते हुए कहा कि वह मीडिया के जाल में फंसने वाले नहीं हैं क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें पहले ही आगाह कर दिया है।

बनर्जी ने कहा, पीएम ने बातचीत की शुरुआत इस मजाक से की कि अब मीडिया आपको मोदी विरोधी बातों के लिए उकसाएगा। उन्होंने यह भी कहा, 'पीएम टीवी देखते हैं, उन्हें हर बात की जानकारी रहती है। वह इस समय भी टीवी देख रहे हैं। उन्हें पता है आप लोग क्या करने की कोशिश कर रहे हो।' अभिजीत ने कहा, पीएम के साथ उनकी मुलाकात अच्छी रही। उन्होंने शासन और नौकरशाही के कामकाज में सुधार की अपनी कोशिशों के बारे में बताया। भारत के बारे में प्रधानमंत्री के सोचने का तरीका अनूठा है। प्रधानमंत्री नौकरशाही को जमीन से जुड़ा बनाना चाहते हैं। वह चाहते हैं कि नौकरशाही लोगों के विचारों को समझे, उन्हें ध्यान में रखे।

बनर्जी ने अर्थव्यवस्था पर तो कुछ नहीं बोला, लेकिन उन्होंने बैंकों के हालात को भयावह करार दिया। उन्होंने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में बड़े बदलाव की जरूरत है। सरकार को बैंकों में अपनी हिस्सेदारी को 50 फीसद से कम कर लेनी चाहिए, ताकि सीवीसी उनको नियंत्रित नहीं करे।

प्रधानमंत्री के साथ बैठक को बनर्जी ने अनोखा अनुभव बताया और उन्हें समय देने के लिए धन्यवाद कहा। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने बनर्जी के साथ बैठक के बाद ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, 'नोबेल विजेता अभिजीत बनर्जी के साथ मुलाकात उत्तम रही। मानव सशक्तीकरण के प्रति उनका जुनून साफ दिखाई देता है। हमने कई मुद्दों पर स्वस्थ और व्यापक बातचीत की। भारत को उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। उन्हें भविष्य की कोशिशों के लिए शुभकामनाएं।'

इस साल अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार जीतने वाले अभिजीत बनर्जी ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। एएनआइ

बनर्जी की खास बातें

- प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात अनूठा अनुभव
- प्रधानमंत्री ने नौकरशाही में सुधार के प्रयासों के बारे में बताया
- पीएम ऐसी नौकरशाही चाहते हैं जो लोगों के विचारों पर ध्यान दे
- भारत के लिए आयुष्मान भारत जैसी योजना बहुत आवश्यक

बनर्जी ने आयुष्मान भारत योजना की सराहना की

अर्थशास्त्र के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए इस साल के नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत ने मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत की सराहना की। उन्होंने कहा, यह ऐसी योजना है जिसकी हमें बहुत जरूरत है। हमें ऐसे रास्ते तलाशने होंगे ताकि परिवार में किसी व्यक्ति के बीमार पड़ने पर परिवार अपनी सारी संपत्ति न खो दे। इसलिए, उनका मानना है कि इस लिहाज से यह योजना बहुत ही महत्वपूर्ण है।